नई सोच, नया आयाम

RNI No. CHHHIN/2009/35020

जोहार छत्तीसगढ़

दैनिक हिन्दी

◆ वर्ष: -14 ◆ अंक: 241 डाक पंजीयन 030/रायगढ़/2015-2017 ◆ मूल्य: 2 ₹ ◆ पृष्ठ : 4

धरमजयगढ़, रविवार 10 जुलाई 2022

पेज -3 पर

राजपुरी के जंगल में दिखा दुर्लभ प्रजाति का गिरगिट

आज भगवान जगन्नाथ की बहुड़ा यात्रा

पेज -4 पर

JOHAR CHHATTISGARH epaper for login www.joharchhattisgarh.in

एक नजर

गृह मंत्री साहू संघ के नव निर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में हुए शामिल

रायपुर। गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू धमतरी जिले में जिला एवं तहसील साहू संघ के नव निर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। कार्यक्रम आमातालाब रोड स्थित बाबू पंढरी राव कृदत्त इंडोर स्टेडियम में आयोजित की गई थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ साहू संघ के अध्यक्ष श्री टहल सिंह साहू ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में महासमुंद लोकसभा क्षेत्र सांसद श्री चुन्नीलाल साहू, छत्तीसगढ़ राज्य दुग्ध संघ के अध्यक्ष श्री विपिन साहू, विधायक धमतरी श्रीमती रंजना साहू, श्री दयाराम साहू सहित समाज के अन्य पदाधिकारी और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

चाकू से हमला कर मोबाइल की लूट

रायपुर । खम्हारडीह में बीती रात चार युवकों ने एक युवक पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया और मोबाइल लूटकर भाग निकले। प्रार्थी की शिकायत पर खम्हारडीह पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी दुखीतराम यादव 34 वर्ष जीवन विहार तेलीबांधा का रहने वाला है।

रायपुर में थी नकली इंजन ऑयल बनाने की फैक्ट्री, कारोबारी गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर की पुलिस ने एक कारोबारी युवक को गिरफ्तार किया है। ये पिछले कई महीनों से रायपुर में नकली इंजन ऑयल बेच रहा था। बिल्कुल असली पैकेजिंग दिखाकर ये कई ब्रांड के नाम पर घटिया ऑयल का धंधा कर रहा था। इसकी शिकायत पुलिस के पास पहुंची तो खमतराई थाने की टीम ने इसके गोदाम में छापा मारकर इसे पकड़ा

पुलिस के मुताबिक अशोक विहार गोंदवारा स्थित गुरू कृपा ट्रेडिंग कंपनी के गोदाम में ये छापामार कार्रवाई हुई। यहां से पुलिस ने जिसे गिरफ्तार किया उस युवक का नाम अगमदीप छाबड़ा है। गुरु कृपा ट्रेडिंग कंपनी का संचालन यही कर रहा था। जांच में टीम को इसके गोदाम से हीरो, बाइजर, मोटो गोल्ड, वेस्को, हाई मसण्ड्स, फीरो, पॉवर एवं बस्टर के आधा लीटर, 01 लीटर एवं 05 लीटर के डिब्बों सहित 08 ड्रमों में

830 लीटर कुल 1135 लीटर गुणवत्ताहीन रिफाईन नकली इंजन ऑयल मिला। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि गोदाम में ही सस्ते ऑयल और इस्तेमाल किए हुए ऑयल वगैरह को मिलाकर ये नकली ऑयल बनाता था। इसे ब्रांडेड डिब्बों में पैक कर ट्रक के ड्रायवरों को बेच दिया करता था। इसके पास से करीब 1 लाख 88 हजार का नकली ऑयल मिला है। ठगी और कॉपीराइट एक्ट के तहत इसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

पिछले महीने मिली थी नकली टैंक फैक्ट्री

पिछले महीने प्लास्टिक वॉटर टैंक ब्रांड प्लास्टो के नाम पर फर्जी प्रोडक्शन का खुलासा हुआ था। यहां पुलिस की मदद से लाखों का माला सीज कर दिया गया है। लीगल टीम की अधिवक्ता नम्रता जैन ने बताया कि अब यह मामला दिल्ली कोर्ट में चलाया जाएगा। कारोबारियों के अनुमान के मुताबिक रायपुर में नकली प्रोडक्ट का बाजार बड़ा है। शहर के व्यापारियों के मुताबिक कम कीमत की वजह से लोग इन प्रोडक्ट्स पर भरोसा कर खरीद लेते हैं और मुनाफे के चक्कर में दुकानदार इसे बेचते हैं। तीन महीने पहले रायपुर की पुलिस ने एसकेआर मोबाइल एसेसरीज की दुकान से रितेश कुमार अंदानी, विनय कृष्णानी, नितेश खत्री नाम के कारोबारियों को पकड़ा था इनके पास से एप्पल जैसे ब्रांड के नकली प्रोडक्ट मिले थे। रविभवन में तिरूपति नावेल्टी कैप हाउस के दुकानदार को नाइकी, पोलो जैसी मल्टी नेशनल ब्रांड के लोगो वाले नकली सामान के साथ पकड़ा गया था।

न्याय की आश में बैठे ग्रामीण, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नहीं आने से हुए हताश

भूमि स्वामी ठेकेदार की शिकायत लेकर मुख्यमंत्री से मिलने जाएंगे रायपुर

जोहार छत्तीसगढ़.- धरमजयगढ़।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के धरमजयगढ़ आगमन की खबर सुनकर किसानों में न्याय की आश जगी थी। लेकिन मुख्यमंत्री का धरमजयगढ़ आगमन स्थगित होने से बड़ी निराशा हुई है। लेकिन अपने हक के लिए अब प्रभावित ग्रामीण एकजुट होकर लड़ाई लड़ने तैयार हो गए हैं।

ग्रामीण अब रायपुर जाने की तैयारी कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि 20 जुलाई से शुरू हो रहे मानसून सत्र में के बीच में ही मुख्यमंत्री से मिलकर न्याय की मांग करेंगे। क्योंकि निचले स्तर पर कोई अधिकारी सुनने वाला नहीं है। बता दें कि बिना भूमि अधिग्रहण किए ठेकेदार द्वारा दो साल से किसानों की जमीन पर कब्जा कर निर्माण कार्य किया जा रहा है। धरमजयगढ़ से कापू तक नए सड़क निर्माण की स्वीकृति मिली है। जिसका कार्य ठेकेदार द्वारा किया जा रहा है। लेकिन सड़क से प्रभावित भूस्वामियों को अभी तक मुआवजा नहीं मिला है। पिछले दो सालों से ठेकेदार द्वारा मनमानी तरीके से किसानों के जमीन पर निर्माण कार्य किया जा रहा है। इस मार्ग में लगभग 13 गांव के किसान प्रभावित हैं। जो कई बार शासन-प्रसाशन से गुहार लगा चुके हैं। लेकिन अब तक न्याय नहीं मिल सका है। लेकिन इस बार ठेकेदार के खिलाफ लामबंद होकर मुख्यमंत्री के धरमजयगढ़ आगमन पर ठेकेदार की मनमानी करने की शिकायत करने की तैयारी में जुट गए थे। 13 गांव के किसानों को मुख्यमंत्री से न्याय मिलने की उम्मीद जगी थी। लेकिन मुख्यमंत्री का कार्यक्रम स्थगित होने से प्रभावित भूस्वामियों को निराशा हाथ लगी। अपनी हक के लिए न्याय की गुहार

लगाने प्रभावित भूस्वामी अब राजधानी रायपुर जाकर मुख्यमंत्री बघेल से भेंट करेंगे। धरमजयगढ़ से कापू मार्ग बनाने वाले ठेकेदार के द्वारा हर तरह के कार्य मे लापरवाही एवं मनमानी बरती जा रही है। जिससे क्षेत्र की जनता परेशान हैं। लेकिन जब इस क्षेत्र की भोली भाली जनता अपनी हक लिए ठेकेदार सहित शासन-प्रशासन को घेरने की तैयारी कर रही है। ठेकेदार के मनमानी रवैये से आगामी दिनों में क्षेत्र में उग्र आंदोलन देखने को मिल सकता है। जिसका जिम्मेदार ठेकेदार के साथ-साथ शासन-प्रशासन की होगी। क्योंकि प्रभावित किसानों को अभी तक मुआवजा नहीं मिलना उनके साथ अन्याय है।

कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या हुई दुगनी, रायपुर और दुर्ग बने हॉटस्पॉट

रायपुर । छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या दोबारा बढ़ रही है. पिछले 3 दिन से प्रदेश में पॉजिटिविटी दर 2 प्रतिशत से ज्यादा ही रह रही है. शुक्रवार को पॉजिटिविटी दर 2.42 प्रतिशत है. तीन जिले कोरोना के हॉटस्पॉट बने हुए हैं. जो रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग है. शुक्रवार को 12230 सैंपल की जांच की गई. जिसमें 24 जिलों में 296 संक्रमित मरीज मिले. टोटल एक्टिव केसों की संख्या 1363 हो गई है. किसी की भी मौत कोरोना से नहीं हुई है. राहत की बात ये रही कि पांच जिलों में एक भी कोरोना मरीज नहीं मिला. ये जिले बस्तर संभाग के कोंडागांव, दंतेवाड़ा, सुकमा, नारायणपुर, बीजापुर जिले हैं।

छत्तीसगढ़ में कोरोना मरीजों की संख्या 1363 हो गई है. प्रदेश में सबसे ज्यादा एक्टिव मरीज रायपुर में 265 है. इसके अलावा दुर्ग में 257 और बिलासपुर में 123 एक्टिव मरीज है।

स्कूलों के भवन की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराएं : मुख्यमंत्री

रायपुर। पेसा एक्ट के क्रियान्वयन के संबंध में प्रस्तुत प्रस्ताव का सर्वसम्मति से अनुसमर्थनमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में आज यहां उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ जनजाति सलाहकार परिषद की बैठक में आयोजित की गई।

मुख्यमंत्री ने बैठक में जनजाति क्षेत्रों के जर्जर छात्रावास-आश्रम तथा स्कूलों के भवन की मरम्मत का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोरोना के कारण दो साल बाद

स्कूल, छात्रावास और आश्रम प्रारंभ हुए हैं, जहां मरम्मत की आवश्यकता है, वहां मरम्मत का कार्य तत्परता से कराया जाए। मुख्यमंत्री ने जनजाति क्षेत्रों में संचालित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए छात्रावास का निर्माण करने के निर्देश भी दिए।

इसी तरह उन्होंने स्कूलों में बच्चों की दर्ज संख्या के आधार पर शिक्षकों का युक्तियुक्तकरण करने के निर्देश दिए। जनजाति सलाहकार परिषद की बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजाति क्षेत्रों में छत्तीसगढ़ राज्य आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (टीआरआई) के कैम्प आयोजित कर वहां जाति प्रमाण पत्र जारी करने में आ रही दिक्कतों का अध्ययन कर इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर केन्द्र सरकार को भेजने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

स्थानीय अतिथि शिक्षकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी

जगदलपुर । कृषि उपज मंडी जगदलपुर में स्थानीय अतिथि शिक्षकों की अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है। संघ के संभागीय मीडिया प्रभारी दामेश्वर साहू कहना है, कि जब तक मांगे पूरी नहीं होगी, हड़ताल तब तक जारी रहेगी। दामेश्वर साहू ने बताया कि हड़ताल में संभाग के सभी जिले के स्थानीय अतिथि शिक्षक (कोंडागांव से ट्यूटर, बस्तर शिक्षण सेवक) उपस्थित हो रहे हैं, जो कि रात में शौण्डिक भवन में रुक रहे हैं बीती रात 12 बजे दंतेवाड़ा जिले के अतिथि शिक्षक श्री मंडावी को मिर्गी का दौरा आ गया, जिसे 108 में कॉल करके संजीवनी एम्बुलेन्स के माध्यम से जगदलपुर के महारानी अस्पताल में लाया गया, जहां उनका इलाज किया गया।

इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को लेकर सरकार ने तैयार की पॉलिसी

मॉल, कालोनी और कांप्लेक्स में चार्जिंग स्टेशन अनिवार्य, आउटर में हर 50 किमी पर स्टेशन

रायपुर। इलेक्ट्रिक व्हीकल्स(ईवी)की नई पॉलिसी तैयार कर ली गई है। इसके तहत शहर की हर कॉलोनी, सोसायटी, कमर्शियल कांप्लेक्स, मॉल और मार्केट में चार्जिंग स्टेशन अनिवार्य होगा। इसी शर्त पर प्रशासन से बड़े और कमर्शियल भवनों के निर्माण की अनुमति मिलेगी। शहर के आउटर में रूट के मुताबिक टेंडर जारी किया जाएगा। एक साल के भीतर कंपनियों को हाईवे और लंबी दूरी की सभी सड़कों पर 50-50 किलोमीटर की दूरी पर चार्जिंग स्टेशन बनाना होगा। उसके अगले वर्ष हर 25 किलोमीटर की दूरी पर स्टेशन बनाना होगा। 2026 तक हर रूट पर 10-10 किलोमीटर की दूरी पर चार्जिंग स्टेशन खोले जाएंगे। इन

स्टेशनों पर न्यूनतम शुल्क लेकर गाड़ी चार्ज की जा सकेगी। इसके लिए परिवहन विभाग के माध्यम से टेंडर मंगवाए जाएंगे। स्मार्ट सिटी के तहत शहर में 25 जगहों पर चार्जिंग स्टेशन बनाने हैं। इसके लिए 2020 में टेंडर निकाला गया था। कई कंपनियों ने इसमें रुचि दिखाई। इसी बीच कोरोना के कारण लॉकडाउन लग गया। उसके बाद टेंडर निरस्त कर दिया गया। उसके बाद दोबारा टेंडर नहीं निकाला गया। अब इस साल नए सिरे से टेंडर निकालने की तैयारी है। पुराने टेंडर में चौदह स्लो चार्जर और ग्यारह फास्ट चार्जिंग स्टेशन बनाने का प्रस्ताव था। ये चार्जिंग स्टेशन मल्टीलेवल पार्किंग, मालवीय रोड, जीई रोड, गौरवपथ, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, फाफाडीह, कपड़ा मार्केट, तेलीबांधा जैसे 25 जगह पर प्रस्तावित हैं।

एक चार्जिंग में 120 किलोमीटर का सफर

क्रेडा के अधिकारियों ने बताया कि इलेक्ट्रिक व्हीकल्स में एक बार चार्जिंग करने से 100-120 किलोमीटर का सफर तय कर सकते हैं। चार्जिंग में तकरीबन 50 रुपए का खर्च आता है। इसमें बिजली की बहुत कम खपत होती है। एक घंटे में गाड़ी चार्ज हो जाती है। विदेशों में इलेक्ट्रिक वाहन का ज्यादा उपयोग किया जा रहा है। क्योंकि पेट्रोल-डीजल की कीमतें लगातार बढ़ते जा रही है। महंगी के दौरान में ईवी बहुत अच्छा है।

फैसला... फाइनेंस वाहनों के लिए RTO का बड़ा फैसला

लोन पूरा चुकाने के बाद हाइपोथिकेशन के लिए चक्कर नहीं लगाना होगा

रायपुर. फाइनेंस पर ली गई गाड़ियों की हाइपोथिकेशन संबंधी सेवाओं को छत्तीसगढ़ में ऑटोमेटिक कर दिया गया है। अब इससे संबंधित सभी सेवाओं के लिए बैंक, फाइनेंस कंपनी और आरटीओ के चक्कर नहीं काटने होंगे।

लोग घर बैठे हाइपोथीकेशन (HP) से जुड़ी सभी सेवाओं का लाभ ले सकेंगे। इसके लिए करीब

75 बैंकों, वित्तीय संस्थानों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (NBFC) को अपनी हाइपोथीकेशन (HP) सेवाओं के साथ एकीकृत कर दिया गया है।

परिवहन आयुक्त दीपांशु काबरा ने बताया, हाइपोथिकेशन जोड़ने और समाप्ति के संबंध में आरटीओ कार्यालय में अब कोई भौतिक दस्तावेज नहीं लिया जाएगा। बैंकों और ऋण देने वाली संस्थाओं को आधार कार्ड से जुड़े मोबाइल नंबर पर प्राप्त वन टाइम पासवर्ड के माध्यम से सभी दस्तावेजों और एनओसी को सॉफ्टवेयर के माध्यम से डिजिटल रूप से जमा कर दिया जाएगा। इसमें भौतिक हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। वाहन स्वामी की ओर से एक बार जब बैंक में पूरी ऋण राशि का भुगतान कर दिया जाता है, तो डेटा सीधे बैंक द्वारा वाहन डेटाबेस में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

परिवहन विभाग में इस हाइपोथिकेशन सेवा को सत्यापित और अनुमोदित करने का कार्य सॉफ्टवेयर के माध्यम से स्वत: हो जाएगा। आवेदकों को अपने बैंकों से फॉर्म-35 तथा एनओसी प्राप्त करने और इन दस्तावेजों को अपलोड करके हाइपोथेकेशन टर्मिनेशन के लिए परिवहन विभाग में आवेदन करने की कोई आवश्यकता नहीं होगी। हाइपोथिकेशन के ऑटो-टर्मिनेशन के बाद एम-परिवहन और डिजिलॉकर पर अपडेटेड रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट उपलब्ध करा दिया जाएगा। इसके बाद वाहन मालिकों को एक एसएमएस भेजकर इसकी जानकारी दे दी जाएगी।

क्या होता है यह गाड़ियों का हाइपोथिकेशन

जब हम फाइनेंस पर कोई गाड़ी लेते हैं तो उसकी कीमत का 10त्न से 20-25त्न तक डाउन पेमेंट करते हैं। बाकी रकम फाइनेंस कंपनी की ओर से कर्ज होता है। ऐसे में खरीदे हुए वाहन पर हमारा और बैंक या फाइनेंस कंपनी का बराबर मालिकाना हक होता है।

मंत्री डॉ. डहरिया ने समोदा में 3.41 करोड़ रूपए के विकास कार्यों की दी सौगात

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने रायपुर जिले के नगर पंचायत समोदा में करीब तीन करोड़ 41 लाख 92 हजार रूपए के विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इनमें दो करोड़ 94 लाख की लागत के नौ कार्यों का भूमिपूजन एवं 46 लाख 30 हजार रूपए के कुल पांच कार्यों का लोकार्पण किया गया।

डॉ. डहरिया ने कहा कि प्रदेश के सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आम लोगों की सुविधा के लिए सभी जरूरी निर्माण एवं विकास के कार्य कराये जा रहे है। उन्होंने कहा कि छात्रों की बेहतर

शिक्षा प्रदान करने स्वामी आत्मानंद स्कूल खोले जा रहे है। प्रदेश के सभी नागरिकों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली से राशन मिले इसके लिए सभी के परिवारों के राशन कार्ड बनाये जा रहे है। उन्होंने बताया कि समोदा नगर पंचायत बन जाने से अब सभी नागरिक सुविधाएं यहां उपलब्ध होंगी।

डॉ. डहरिया ने नगर पंचायत समोदा के अंतर्गत विभिन्न आठ स्थानों पर एक करोड़ 34 लाख 34 हजार रूपए की लागत से सीसी रोड निर्माण एवं 17 लाख 55 हजार की लागत से चार स्थानों पर आरसीसी नाली निर्माण के कार्यों का भूमिपूजन किया।

अर्थव्यवस्थाः छोटी बचत पर ब्याज दर बढ़ाने की जरूरत

यकीनन इस समय देश में छोटी बचत करने वाले करोड़ों लोग छोटी बचत योजनाओं पर मिलने वाली कम ब्याज दर के कारण बढ़ती महंगाई की चुनौती का सामना कर रहे हैं। यह उम्मीद की जा रही थी कि जिस तरह पिछले दो-तीन महीनों में स्थायी जमा (एफडी) के साथ-साथ अन्य ब्याज दरों में वृद्धि हो चुकी है, उसी तरह जुलाई से सितंबर 2022 के लिए छोटी बचत योजनाओं पर मिलने वाली ब्याज दरों में बढ़ोतरी की जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है।

जब तक महंगाई का दौर बना रहे, तब तक छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दर में कुछ वृद्धि कर दी जाए, तो एक बड़े वर्ग को राहत मिल सकती है।

गौरतलब है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध की वजह से कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वस्तुओं की आपूर्ति बाधित होने से कीमतों में तेज वृद्धि से पूरी दुनिया के साथ-साथ भारत में भी महंगाई तेजी से बढ़ रही है। मई, 2022 में थोक महंगाई दर 15.88 फीसदी और खुदरा महंगाई दर 7.04 फीसदी के चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई। ऐसे में रिजर्व बैंक महंगाई को नियंत्रित करने के लिए अब तक 0.90 फीसदी रेपो दर बढ़ा चुका है, बैंक एफडी पर 0.50 फीसदी से अधिक ब्याज दर बढ़ा चुके हैं, बॉन्ड पर यील्ड भी बढ़ता जा रहा है, ऋण महंगे हो रहे हैं, ऋण पर ज्यादा किस्त और ज्यादा ब्याज चुकाना पड़ रहा है और कर्ज के भुगतान की किस्त चूक में भी बढ़ोतरी हो रही है।

एनएसआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां देश के लोगों के लिए छोटी बचत योजनाएं लाभप्रद हैं, वहीं इनका बड़ा निवेश अर्थव्यवस्था के लिए लाभप्रद है।

उल्लेखनीय है कि पिछले दो वर्षों से छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। यदि हम छोटी बचत योजनाओं पर मिलने वाली मौजूदा ब्याज दरों को देखें, तो पाते हैं कि इस समय बचत खाता पर चार फीसदी, एक से तीन साल की एफडी पर 5.5 फीसदी, पांच साल की एफडी पर 6.7 फीसदी, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना पर 7.4 फीसदी, एमआईएस पर 6.6 फीसदी, एनएससी पर 6.8 फीसदी, पीपीएफ पर 7.1 फीसदी, किसान विकास पत्र पर 6.9 फीसदी, सुकन्या समृद्धि योजना पर 7.6 फीसदी ब्याज दर देय है। यह भी उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2021-22 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) पर 8.1 फीसदी ब्याज दर की अनुमति दी है। यह चार दशक से अधिक समय में सबसे कम ब्याज दर है। इसका करीब पांच करोड़ ईपीएफ सदस्यों पर असर पड़ा है।

निस्संदेह पिछले दो वर्षों में कोविड-19 की आर्थिक चुनौतियों से लेकर अब तक देश में आम आदमी, नौकरीपेशा वर्ग और निम्न मध्यम वर्ग के सामने एक बड़ी चिंता उनकी छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दर कम रहने की है। अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा और जीवन स्तर हेतु लिए गए सबसे जरूरी हाउसिंग लोन, ऑटो लोन, कन्ज्यूमर लोन आदि को चुकाने के लिए अधिक ब्याज व किस्तों की राशि में वृद्धि से लोगों की चिंताएं बढ़ गई हैं।

वस्तुतः देश में बचत की प्रवृत्ति के लाभ न केवल कम आय वर्ग के परिवारों के लिए हैं, वरन पूरे समाज व अर्थव्यवस्था के लिए भी हैं। अब भी देश में बड़ी संख्या में लोगों को सामाजिक सुरक्षा (सोशल प्रोटेक्शन) की छतरी उपलब्ध नहीं है। इतना ही नहीं बचत योजनाओं पर मिलने वाली ब्याज दरों पर देश के उन तमाम छोटे निवेशकों का दूरगामी आर्थिक प्रबंधन निर्भर होता हैं, जो अपनी छोटी बचतों के जरिये जिंदगी के कई महत्वपूर्ण काम निपटाने की व्यवस्था सोचे हुए हैं। मसलन, बिटिया की शादी, सामाजिक रीति-रिवाजों की पूर्ति, बच्चों की पढ़ाई और सेवानिवृत्ति के बाद का जीवन। छोटी बचत योजनाएं रिटायर हो चुके और जमा पर मिलने वाले ब्याज पर निर्भर बुजुर्ग पीढ़ी का सहारा बनती हैं।

करीब 14 वर्ष पूर्व 2008 की वैश्विक मंदी का भारत पर कम असर होने का एक प्रमुख कारण भारतीयों की संतोषप्रद घरेलू बचत की स्थिति को माना गया था। फिर 2020 में महाआपदा कोविड-19 से जंग में भारत के लोगों की घरेलू बचत विश्वसनीय हथियार के रूप में दिखाई दी। नेशनल सेविंग्स इंस्टीट्यूट (एनएसआई) द्वारा भारत में निवेश की प्रवृत्ति से संबंधित रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां देश के लोगों के लिए छोटी बचत योजनाएं लाभप्रद हैं, वहीं इनका बड़ा निवेश अर्थव्यवस्था के लिए भी लाभप्रद है। क्या सरकार इस पर गौर करेगी?

जयंतीलाल भंडारी

संपादकीय

भाजपा और शिंदे की दुविधा

सरकार बनाने के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अब शिव सेना पर अपना नियंत्रण बनाने की पहल कर रहे हैं। उन्होंने पहला कदम बढ़ा दिया है। उद्धव ठाकरे खेमे में बचे हुए 15 विधायकों की सदस्यता खत्म करने का प्रस्ताव स्पीकर को दिया गया है। आदित्य ठाकरे को छोड़ कर बाकी विधायकों की सदस्यता खत्म कराने का दांव है। इसके साथ ही शिव सेना के सांसदों ने भी बगावती तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। एक सांसद ने कहा है कि उद्धव ठाकरे सभी सांसदों को एनडीए की राष्ट्रपति उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू को वोट करने का निर्देश दें। राष्ट्रपति चुनाव में वोटिंग के बहाने शिव सेना के सांसदों की बगावत होगी। इसके बाद सत्ता की मदद से पार्टी संगठन के पदाधिकारियों को तोड़ने का प्रयास होगा।

हालांकि मीडिया में ऐसी खबरें आ रही हैं कि शायद भाजपा और शिंदे गुट अब उद्धव ठाकरे को ज्यादा परेशान न करे और पार्टी उनके पास ही रहने दे। उनको लग रहा है कि अगर उद्धव को शिव सेना से बाहर किया और पार्टी हथियाई तो उलटी प्रतिक्रिया होगी और ठाकरे परिवार के लिए सहानुभूति बनेगी। सो, भाजपा और एकनाथ शिंदे दोनों दुविधा में हैं। पर मुश्किल यह है कि अगले तीन-चार महीने में बृहन्नमुंबई नगर निगम यानी बीएमसी के चुनाव हैं। बीएमसी नाम के तोते में ही शिव सेना की जान है। अगर शिव सेना और तीर-धनुष चुनाव चिन्ह उद्धव ठाकरे के पास रहा तो उनको हराना आसान नहीं होगा। दूसरा सवाल यह है कि अगर पार्टी उद्धव के पास रही तो एकनाथ शिंदे गुट किस पार्टी और किस निशान पर लड़ेगा?

कट्टरता के दौर में कोई कहीं भी सुरक्षित नहीं, बढ़ते सांप्रदायिक विद्वेष की कीमत चुकानी होगी

पिछले दिनों बांग्लादेश के नड़ाइल में मिर्जापुर यूनाइटेड कॉलेज के प्रोफेसर स्वप्न कुमार बसु और एक छात्र को उपस्थित भीड़ ने पुलिस की मौजूदगी में जूते की माला पहनाई। उन दोनों की गलती क्या थी? छात्र की गलती यह थी कि उसने भारत में चल रहे विवाद के बीच भाजपा से निलंबित नूपुर शर्मा का समर्थन किया था। और प्रोफेसर की गलती क्या थी? उनकी गलती यह थी कि जब क्रुद्ध भीड़ उस छात्र को मारने के लिए उसका पीछा कर रही थी, तब प्रोफेसर ने अपने चेंबर में उस छात्र को शरण दी थी।

भीड़ ने कॉलेज कैंपस में ही प्रोफेसर के स्कूटर में आग लगा दी। प्रोफेसर ने पुलिस बुला ली। लेकिन पुलिस के जवानों ने प्रोफेसर और छात्र को सुरक्षा देने के बजाय उन्हें भीड़ के हवाले कर दिया, ताकि उन्हें अपमानित किया जा सके और जूते की माला पहनाई जा सके। नूपुर शर्मा की टिप्पणी पर सिर्फ नड़ाइल नहीं, पूरे बांग्लादेश में कट्टरवादियों ने तांडव मचाया था। उन कट्टरवादियों को संभवतः यह मालूम भी नहीं था कि उनके क्षुब्ध होने की वजह क्या है, आखिर विवादास्पद टिप्पणी में कहा क्या गया था।

वर्षों पहले जब मैंने धर्म पर कुछ कहा था, तब भी बांग्लादेश के कट्टरवादियों ने ऐसा ही तांडव मचाया था। वे भी नहीं जानते थे कि वस्तुतः मैंने कहा क्या था। हंगामा मचाने वालों को यह जानने की जरूरत नहीं होती कि वे किस बात पर हंगामा कर रहे हैं। वे जानना भी नहीं चाहते। उनके सामने सवाल रखने की इजाजत नहीं है। किसी तरह की आलोचना या अध्ययन से भी उनका कोई लेना-देना नहीं है। हद तो यह है कि वे सच भी जानना नहीं चाहते।

धार्मिक रूप से कट्टरवादी जिस तरह मुस्लिम समुदाय में हैं, उसी तरह हिंदू समुदाय में भी हैं। और समाज में कट्टरवाद बढ़ने से हिंदू-मुसलमान, किसी की भी सुरक्षा की गारंटी नहीं है। ऐसे में, सबसे ज्यादा मुश्किल उदारवादियों को होती है।

ऐसे कट्टरवादियों को जब पता चलता है कि किसी ने उनके धर्म से जुड़ी कोई बात कही है, तो धार्मिक भावना पर आघात लगने का आरोप लगाते हुए वे सड़कों पर उतर पड़ते हैं और समुदाय विशेष को निशाना बनाने के अपने हिंसक और विध्वंसात्मक अभियान में लग जाते हैं। खासकर मुस्लिम देश जब अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरोध में खड़े हैं, तब यह सवाल पैदा होता है कि यह दुनिया क्या मुस्लिमों और गैर मुस्लिमों में विभाजित हो जाएगी।

मैंने यह पाया है कि हाल के कुछ वर्षों में बांग्लादेश में अनेक शिक्षकों पर हमला बोला गया है, जिनमें से ज्यादातर अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय से हैं। ऐसा लगता है कि वहां का बहुसंख्यक समुदाय हिंदुओं को अब शिक्षकों के पद पर नहीं देखना चाहता।

हिंदुओं की जमीन और संपत्ति पर पहले ही कब्जा हो चुका है, अब उनको शिक्षकों के सम्माननीय पेशे से हटाने की तैयारी है। स्वप्न कुमार बसु को अपमानित करने के कुछ ही दिन बाद आशुलिया में एक मुस्लिम छात्र ने हिंदू शिक्षक की क्रिकेट के विकेट से पीट-पीटकर हत्या कर दी। उस शिक्षक का दोष क्या था? उन्होंने एक छात्रा के साथ दुर्व्यवहार के मामले में उस छात्र को डांटा था। चूंकि वह छात्र स्कूल के मालिक का रिश्तेदार बताया जाता है, ऐसे में, मानना मुश्किल है कि उसे अपने अपराध की सख्त सजा मिलेगी। हालांकि हिंदू शिक्षकों को निशाना बनाने के विरोध में बांग्लादेश में कई जगहों पर प्रदर्शन भी हुए हैं, समाज में बढ़ती कट्टरता के खिलाफ आवाज उठाई गई है। लेकिन अच्छी चीजों के बजाय बुरी चीजों का असर और प्रसार ज्यादा होता है। इसीलिए मानवता के पक्ष में उठी आवाजों की तुलना में सांप्रदायिक विद्वेष और फतवा देने की प्रवृत्ति ही चर्चा में ज्यादा रहेगी। पूरे बांग्लादेश का एक जैसा हाल है। अल्पसंख्यक हिंदू निशाने पर हैं। क्या बांग्लादेश को सौ फीसदी मुस्लिम देश बनाने का लक्ष्य है? यही हाल रहा, तो बांग्लादेश के अफगानिस्तान में बदलने में देर नहीं लगेगी।

तस्लीमा नसरीन

मिला जुला

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन समिति की बैठक हुई आयोजित

मेनपावर बढ़ाने और समांतर कार्य कराकर निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में विगत दिवस कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जल जीवन मिशन अंतर्गत जिले के विभिन्न ग्राम, बसाहटों में टेपनल के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने हेतु तैयार की गई योजना का अनुमोदन एवं क्रियान्वयन के सम्बंध में चर्चा की गई। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेंद्र यादव, वनमंडलाधिकारी जितेंद्र उपाध्याय, जिला शिक्षा अधिकारी जेके प्रसाद, सीएमएचओ रंजीत टोप्पो, कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग व्हीके उरमलिया सहित अन्य विभागों के

जिला अधिकारी एवं पीएचई के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर अग्रवाल ने सभी विकासखंडो में पंचायतवार जल जीवन मिशन के कार्यों की जानकारी लेते हुए डीपीआर तैयार करने, प्रशासकीय स्वीकृति, निविदा एवं कार्यादेश के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए साथ ही प्राप्त सभी डीपीआर का शीघ्र परीक्षण कर ड्राफ्ट व शेड्यूल ऑफ क्वानटिटी जैसी अन्य आवश्यक तकनीकी कार्य शीघ्रता से पूर्ण करने की बात कही। उन्होंने पीएचई के कार्यपालन अभियंता को जल्द से जल्द सभी योजनाओं की निविदा आमंत्रण की कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही प्राप्त निविदाओं पर आगे की कार्यवाही करते हुए इकाईयों को कार्य आदेश जारी करने के लिए कहा। इस हेतु जिला एवं ब्लॉक स्तर पर मेनपावर बढ़ाने, समांतर रूप से सभी कार्यों को पूर्ण करने की बात कही साथ ही नियमित रूप से कार्यों का मॉनिटरिंग करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने पंचायतवार जल जीवन मिशन के कार्यों की डीपीआर की जानकारी तैयार कर सूची उपलब्ध कराने के लिए कहा। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों को सभी विकासखंड हेतु पृथक-पृथक टीम लगाने तथा निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर अग्रवाल ने जल जीवन मिशन के तहत टेपनल के माध्यम से सभी शासकीय भवनों में पेयजल उपलब्ध कराने के कार्यों की भी समीक्षा की। साथ ही सभी विकासखंड के स्कूल, आंगनबाड़ी, स्वास्थ्य केन्द्र, आश्रम छात्रावासों में रनिंग टेप वाटर की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को उक्त कार्य का जल्द से जल्द भौतिक सत्यापन कराने कहा। कलेक्टर अग्रवाल ने विभाग के एमआईएस पोर्टल पर एफ एचटीसी की त्रुटिपूर्ण एंट्री में सुधार लाने एवं अद्यतन जानकारी एंट्री करने हेतु निर्देशित किया।

अमरनाथ में बादल फटने से तबाही

अमरनाथ 'जल सैलाब' में अब तक 16 की मौत

अमरनाथ गुफा के पास शुक्रवार शाम करीब साढ़े 5 बजे बादल फट गया। इससे कैंप के बीच से अचानक सैलाब आ गया। आपदा के दौरान गुफा के पास 10-15 हजार श्रद्धालु मौजूद थे। कई लोग टेंट के साथ बह गए। इनमें से अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, प्रभावित क्षेत्र में अभी भी 35 से 40 श्रद्धालुओं के फंसे होने की खबर है।

बादल फटने की घटना पवित्र गुफा के एक से दो किलोमीटर के दायरे में हुई। पहाड़ों से तेज बहाव के साथ आए पानी से श्रद्धालुओं के लिए लगाए गए करीब 25 टेंट और दो से तीन लंगर बह गए। आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य जारी है। सेना के जवान, जम्मू-कश्मीर पुलिस, NDRF, ADRF, ITBP के जवान प्रभावित क्षेत्र में फंसे लोगों को रेस्क्यू करने में जुटे हैं।

अमरनाथ के बाद डोडा में बादल फटा, कई गाड़ियां तबाह, हाईवे ब्लॉक

श्रीनगर. अमरनाथ के बाद जम्मू-कश्मीर के डोडा गुंटी वन में बादल फट गया. इसके चलते बाढ़ के हालात बन गए. लिहाजा कई गाड़ियां मिट्टी में धंस गईं. इतना ही नहीं हाईवे ब्लॉक हो गए. बताया जा रहा है बाढ़ का पानी आर्मी कैंप में भी घुस गया. हालांकि अभी तक किसी के भी हताहत होने की कोई जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन बताया जा रहा है कि इलाके के कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं. एजेंसी के मुताबिक स्थानीय अधिकारी ने बताया कि ठठरी बेल्ट के गुंटी वन क्षेत्र में सुबह करीब चार बजे बादल फटा, जिसके चलते भारी बाढ़ आ गई. इस वजह से कुछ वाहन कीचड़ में फंस गए. कुछ समय के लिए हाईवे ब्लॉक हो गया था, लेकिन अब इसे यातायात के लिए बहाल कर दिया गया है. ठठरी में बादल फटने से सड़कों पर पानी भर गया. लिहाजा आवागमन पूरी तरह से बाधित हो गया. वहीं प्रशासन की ओर से राहत कार्य चलाया जा रहा है.

कॉपी-किताब के बढ़े दाम, शिक्षा हुई महंगी

महासमुंद । कोरोनाकाल से बढ़ी महंगाई की मार झेल रहे लोगों पर स्कूली सामग्री की कीमतों में हुई 25-30 फीसदी की वृद्धि ने पालकों की आर्थिक स्थिति बिगाड़ दी है। इधर, महंगी कॉपी-किताबों के बीच निजी स्कूलों में हुई फीस वृद्धि से बजट गड़बड़ा गया है।

बीते 16 जून से स्कूल खुलने के बाद से पालक बच्चों के लिए, शिक्षण सामग्री लेने दुकानों में पहुंच रहे हैं जहां उन्हें कॉपी-किताब के दाम उनके होश उड़ा रहे हैं। सीधे तौर पर शिक्षण सामाग्रियों की कीमत करीब 25-30 फीसदी तक बढ़ गए हैं। एक बच्चे की कॉपी-किताब, यूनिफार्म लेने में ही पालकों को 5 से 7 हजार रुपए खर्च करना पड़ रहा है।

जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति एवं सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

कलेक्टर कुलदीप शर्मा के मार्गदर्शन में सीईओ जिला पंचायत कुणाल दुदावत की उपस्थिति में जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति डीएलआरसी एवं जिला स्तरीय स्तरीय सलाहकार समिति डीएलसीसी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सभी बैंकों को राशि लेन देन में सुरक्षा प्रक्रिया के कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने कहा गया। सीईओ जिला पंचायत ने उप संचालक, कृषि विभाग से बैंक वार और विकासखण्ड वार किसान क्रेडिट कार्ड की जानकारी ली। सीईओ जिला पंचायत ने कहा कि

आगामी तीन माह में विशेष अभियान चलाकर किसान क्रेडिट कार्ड बनाये जाए। जिले में 52 हजार से ज्यादा नवीन किसान क्रेडिट कार्ड बनाये गए हैं। उन्होंने कहा कि दो हज़ार लक्ष्य अनुरूप मत्स्य पालकों के भी केसीसी अभियान चलाकर बनाने के निर्देश दिए। लीड बैंक मैनेजर विकास गुप्ता ने बैठक में बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में जिले के सीडी रेश्यो में 2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दुदावत ने उन्हें इस वित्तीय वर्ष में 2 से 5 प्रतिशत की वृद्धि के अनुरूप कार्य करने की कार्ययोजना तैयार करने निर्देशित किया। इसके साथ ही शिक्षा लोन एवं मुद्रा योजना के तहत लोन प्रकरण प्राप्त करने विशेष कैम्प करने के निर्देश दिए।

इसके साथ ही बैठक में पिछली बैठक की कार्यवाही, वार्षिक साख योजना को उपलब्धि, एनयूएलएम एमएमवायएसवाय, पीएमईजीपी, अंत्यावसायी अंत्योदय आदिवासी स्वरोजगार योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना, सामाजिक सुरक्षा योजना, मुद्रा योजना, केसीसी योजनांतर्गत पशुपालन एवं मत्स्यपालन एवं फसल बीमा योजना पर चर्चा की। साथ ही बैकों के जमा अग्रिम, सीडी रेशियो, फ इनेंसियल इनक्लूजन प्लान, डिजिटल पेमेंट बढ़ावा देने, सेंट्रल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के सम्बंध में चर्चा की गई।

नशा मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाएगा पूर्व विधायक डॉ.चोपड़ा का जन्मोत्सव

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक एवं पूर्व विधायक डॉ. विमल चोपड़ा का जन्मोत्सव 10 जुलाई को नशा मुक्ति दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उपरोक्त जानकारी देते हुए डॉ विमल चोपड़ा जन्मोत्सव समिति एवं नशाबंदी सम्मेलन के संयोजक द्वय देवी चंद राठी एवं लक्ष्मीकांत तिवारी ने बताया किए नशा मुक्ति दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट कृषि मंत्री कमल पटेल होंगे। भाजपा सांसद एवं पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री सरोज पांडे कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगी। विशेष अतिथि की आसंदी पर उड़ीसा राज्य के कैबिनेट मंत्री राजू भाई ढोलकिया और क्षेत्रीय सांसद चुन्नीलाल साहू उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के तौर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रू कुमारी चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष सरला कोसरिया, जिला प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही, जिला सर प्रभारी अवधेश चंदेल, भाजपा प्रदेश नशाबंदी प्रमुख वेदराम मन हरे, पूर्व राज्य मंत्री पूनम चंद्राकर, पूर्व विधायक रामलाल चौहान, परेश बागबाहरा, त्रिलोचन पटेल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष छतर सिंह नायक, वरिष्ठ भाजपा नेता मोतीलाल साहू, शंकर अग्रवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह गोल्डी, चंद्रहास चंद्राकर, जिलाध्यक्ष साहू समाज धरम साहू, हेल्थ वॉलिंटियर्स संयोजक ललिता अग्रवाल, प्रदीप चंद्राकर, संजय शर्मा प्रकाश चंद्राकर अलका चंद्राकर, स्मिता चंद्राकर, नितिन उपोवेजा, नरेंद्र वाघमारे सोमनाथ पांडे सतपाल सिंह पाली श्याम सागर कर वह पप्पू पटेल उपस्थित रहेंगे।

राजपुरी के जंगल में दिखा दुर्लभ प्रजाति का गिरगिट

वन विभाग के अधिकारियों को दिखाकर जंगल में सुरक्षित छोड़ा गया

जोहार छत्तीसगढ़-बेमेतरा।

छत्तीसगढ़ राज्य के अधिकांश घनघोर जंगल अपने आप में कई रहस्यों को समाए हुए हैं। यहां पाए जाने वाले साल सागोन महुवा वनों के द्वीप में कई ऐसी जैव प्रजातियां मौजूद हैं जो अपने आप में काफी अनूठी हैं। यहां के जंगलों में अक्सर दुर्लभ प्रजातियों के ऐसे जीव देखने मिलते हैं। जो आम तौर पर कहीं दिखाई नहीं देते। बेमेतरा जिले के नगर पंचायत नवागढ़ के युवा किसान किशोर कुमार राजपूत को जशपुर जिले के नगर पंचायत बगीचा में स्थित राम वन गमन पथ जंगल में शुक्रवार सुबह 9 बजे भी एक ऐसा ही अनोखा जीव देखने को मिला हैं। जो गिरगिट की एक दुर्लभ प्रजाति का बेहद आकर्षक जीव है। यह आकार में सामान्य गिरगिट से काफी बड़ा है और इसके शरीर का रंग धारीदार हरा है। सड़क पर चल रहे इस जीव को वन विभाग बागीचा के अधिकारियों को दिखाकर शोभनाथ एक्का ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी लुण्ड्रा की उपस्थिति में जंगल में सुरक्षित छोड़ा गया है।

हरे रंग की वजह से दुश्मन को बचाते हैं

हरे रंग की वजह से यह गिरगिट पेड़ों और पत्तियों के बीच आसानी से छिप जाता है और फिर घात लगाकर अपने भोजन के लिए छोटे कीड़े मकोड़ों का शिकार करता है। अपने इस खास शारीरिक रंग के चलते यह दूसरे बड़े शिकारी जानवरों से अपना बचाव भी आसानी से कर लेता है। रास्ते में चलने के दौरान मालूम हुआ कि वह एक मादा गिरगिट है जो इस समय गर्भवती हैं। और जल्द ही अंडे देने वाली है। इनका मुंह काफी बड़ा होता है।

इस दुर्लभ गिरगिट की शारीरिक बनावट

छत्तीसगढ़ राज्य के बगीचा में पाए जाने वाले इस गिरगिट की आंखों की बनावट लेंस नुमा दिखती हैए जिसकी फ ोकस क्षमता काफ ी अच्छी होती है। इसकी कुछ प्रजातियां दक्षिणी यूरोप, दक्षिण एशिया और ऑस्ट्रेलिया में भी मिलती हैं। इसकी चलने की रफ्तार बहुत कम है। इसकी मुख्य वजह हाथ व पैर की पांचों अंगुलियां जुड़ी हुई हैं। इंडियन कैमेलियन के शरीर पर पीले धब्बे नुमा हरा रंग और बड़ी-बड़ी सर्चलाइट नुमा आंखें होती हैं। इसकी जीभ की लंबाई 4 से 5 इंच तक होती है जो जरूरत पड़ने पर और बड़ी हो सकती है। यह मुख गुहा में स्प्रिंग की तरह गोल बनाकर रखी जाती है। अग्रभाग कूपनुमा होने के साथ जीभ पर लिलिसा पदार्थ लगा रहता है। जो कीट-पतंगे पकड़ने के लिए मददगार रहता है। चुटकी में रंग बदलने की क्षमता रखने वाले इंडियन कैमेलियन की पूंछ भी उतनी ही लंबी होती है। जो स्प्रिंग की तरह गोल रहती है। इसकी मदद से यह टहनियां पकड़कर लटकते हुए चलता फिरता है। इस लिहाज से इसके शरीर व पूंछ की लंबाई कभी-कभी 14 से 16 इंच तक पहुंच जाती है। इसके मुंह में न तो विष ग्रंथियां होती हैं और न ही इसमें अंश मात्र जहर होता है। भारत में यह विलुप्ति की कगार पर है।

इस गिरगिट के ये सब दुश्मन

जीव विज्ञान के जानकारों की राय में गिरगिट रात के समय पेड़ों पर ही रहते हैं। सूर्योदय के साथ सुबह करीब 10 बजे तक गिरगिट खाने की तलाश करता है। इसके बाद शाम 4 बजे तक गिरगिट सुस्ताता है। भूखा होने की स्थिति में आराम समय में कुछ परिवर्तन संभव है। शाम 4 बजे से गिरगिट फिर एक बार भोजन की तलाश शुरू करता है। सूर्यास्त के कुछ मिनटों पहले गिरगिट की चाल धीमी हो जाती है। अंधेरा होने पर गिरगिट वृक्ष की ऊंची और नीचे की ओर झुकी हुई पतली शाखा में चपटा होकर सोता है। इसे हर पल उल्लू, बड़े सर्प और गोह से खतरा रहता है वैसे, गिरगिट आलसी और शांतिप्रिय होता है।

कम ज्यादा तापमान सहन नहीं कर सकता

18 डिग्री से नीचे तापमान सहन नहीं कर पाता गिरगिट सर्दी के मौसम में गिरगिट दीवारों, चट्टानों की दरारों में, पेड़ के खोखले हिस्से या घास-फूस में छिपकर समय बिताता है। कारण कि 18 डिग्री से नीचे के तापमान को गिरगिट सहन नहीं कर पाता है। वहीं 10 डिग्री से तापमान के नीचे आते ही यह बिल्कुल निष्क्रिय हो जाता है। कहते हैं 6 डिग्री तापमान में यह बिल्कुल अधमरा सा एक जगह पड़ा रहता है। जैसे.जैसे पारा कम होता हैए वैसे वैसे यह वापस से फुर्तिला हो जाता है।

महिला कांग्रेस का मंहगाई विरोधी धरना, मोदी शाह से स्तीफे की मांग

जोहार छत्तीसगढ़-महासमुंद।

बेतहाशा महंगाई के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर महिला कांग्रेस कमेटी प्रदेश अध्यक्ष फूलों देवी नेताम के निर्देश पर महासमुंद महिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा कांग्रेस भवन के समक्ष नेहरू चौक में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। जिसका नेतृत्व जिला अध्यक्ष डॉ. रश्मि चंद्राकर एवं कांग्रेस कमेटी महिला शहर अध्यक्ष अन्नू चंद्राकर के द्वारा किया गया। धरना प्रदर्शन करके नरेंद्र मोदी के बीजेपी सरकार के द्वारा आम जनता के ऊपर बेतहाशा महंगाई का जो बोझ बढ़ा दिया है। उसके विरोध में जमकर नारेबाजी की गई एवं कांग्रेसजनों के द्वारा बीजेपी की नेताओं के द्वारा देश के महंगाई को नियंत्रित ना कर पाने की अक्षमता को बताते हुए तत्काल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह

को त्यागपत्र देकर देश पर बढ़ गए। आर्थिक बोझ एवं देश की जनता के ऊपर लादे जाने वाली महंगाई से मुक्त करने की मांग की गई। कार्यक्रम में अन्य महिलाओं ने भी अपने विचार रखे तथा मोदी सरकार को जमकर कोसा गया। जिसमें डॉ. रश्मि चंद्राकर जिला अध्यक्ष,खिलावन बघेल अध्यक्ष शहर कांग्रेस कमेटी,संजय शर्मा प्रभारी महामंत्री, अन्नु चंद्राकर शहर अध्यक्ष महिला कांग्रेस, ब्रिजेन बंजारे सरपंच,सती साहू प्रदेश उपाध्यक्ष महिला कांग्रेस,निरंजना चंद्राकर,भूमिका ध्रुव,ममता चंद्राकर,दुर्गा यदु,समीक्षा,लक्ष्मी सोनी,योजना सिंह,यमुना वर्मा,आरती महंती,दशोदा ध्रुव,शहर उपाध्यक्ष राजू साहू,प्रदीप चंद्राकर,सुनील चंद्राकर,चंद्रेश साहू,बीआर वर्मा,अजय भोई,अशोक चंद्राकर एवं अन्य महिला नेत्री ने खाली सिलेंडर और तख्ती के साथ जोरदार प्रदर्शन किया कार्यक्रम के अंत में महिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष अन्नू चंद्राकर ने आभार व्यक्त की।

4 साल के मासूम के साथ बाप ने पहले अप्राकृतिक संबंध बनाया, फिर गला घोंटकर किया हत्या

जोहार छत्तीसगढ़-रतनपुर।

सीपत के सेलर गांव में चार साल के मासूम बच्चे की हत्या करने के आरोपी पिता को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी पिता ने शराब के नशे में उसने अपने ही मासूम बेटे के साथ पहले अप्राकृतिक कृत्य किया, फिर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद बच्चे के गायब होने की झूठी कहानी भी बना दी। वारदात के बाद देर रात उसने शव को गली में ले जाकर फेंक दिया। पकड़े जाने के बाद आरोपी पिता ने अपराध स्वीकार कर लिया है। पिता जिसकी उंगली पकड़कर बच्चे चलना सीखते हैं, जिसके कंधे में बैठकर बच्चे दुनिया देखते हैं। पिता जो अपने बच्चों की परवरिश के लिए किसी भी हद को पार देते हैं। लेकिन सीपत थाना क्षेत्र के सेलर गांव में रहने वाले मदन सूर्यवंशी ने अपनी सारी हदें पार करते हुए अपने ही 4 साल के बेटे शौर्य उर्फ बल्लू के साथ ना सिर्फ अनाचार किया बल्कि उसे मौत के भी घाट उतार दिया। बताया जा रहा है कि मदन और उसकी पत्नी के बीच कुछ विवाद था और शुक्रवार को मदन के घर वाले बाहर गए थे इस बीच उनका 4 साल का बेटा शौर्य घर के बाहर खेल रहा था खेलते खेलते वह गायब हो गया। रात होने पर बच्चे को ढूंढा जाने लगा। लेकिन देर रात तक बल्लू का कुछ पता नहीं चला।

कलेक्टर ने कुनकुरी के केराडीह में जल जीवन मिशन योजना के कार्यो का किया निरीक्षण

ग्रामीणों से टंकी निर्माण से होने वाले फायदे एवं पेयजल की उपलब्धता के संबंध में ली जानकारी

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल ने कुनकुरी विकासखंड के ग्राम पंचायत केराडीह में जल जीवन मिशन योजना के कार्यों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत जितेंद्र यादव, ईई पीएचई व्ही के उरमालिया सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने केराडीह में स्थापित पानी टंकी का अवलोकन करते हुए टंकी की क्षमता, लागत राशि, घरों में पेयजल की पहुंच के संबंध में विस्तार से जानकारी ली।

उन्होंने ग्रामीणों के घरों तक पाइपलाइन के माध्यम से निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। साथ ही टंकी का रख रखाव एवं आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने की बात कही। कलेक्टर ने ग्रामीणों से टंकी निर्माण से होने वाले फ ायदे एवं पेयजल की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली।

संभागायुक्त चुरेन्द्र की अध्यक्षता में जाति प्रमाण पत्र बनाने के सम्बंध में समाज प्रमुखों की जिला स्तरीय बैठक हुई आयोजित

बैठक में सभी समाज प्रमुखों ने जाति प्रमाण पत्र बनाने में आ रही समस्याओं के सम्बंध में दी गईं जानकारी

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जाति प्रमाण पत्र बनाने में आ रही समस्याओं के सम्बंध में सरगुजा संभागायुक्त जीआरचुरेन्द्र की अध्यक्षता में विगत दिवस मंत्रणा सभाकक्ष में समाज प्रमुखों की जिला स्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल,डीपीनागेश, डिप्टी डायरेक्टर, टीआरआई, अपर कलेक्टर आईएल ठाकुर, सहायक आयुक्त आदिम जाति विकास बीके राजपूत, विभिन्न समाज के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में उरांव, संसारी उरांव, कोरवा, पहाड़ी कोरवा, दिहाड़ी कोरवा,

अघरिया, नगेशिया, गोंड़, कंवर, मुंडा, भूईहर, भूईया, नागवंशी, चिक चिकवा, इसाई, घांसी, मलार, तुरी, महली, सहित अन्य समाज प्रमुख द्वारा बारी बारी अपने समाज के लोगों की जाति प्रमाण पत्र बनाने में आ रही समस्याओं के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि मात्रात्मक त्रुटि, दस्तावेजों की कमी, क्षेत्रीय बोल चाल की भाषा व निवास से जातियों के मध्य आई भिन्नता जैसे अन्य कारणों से समाज के लोगों का जाति प्रमाण पत्र बनने में समस्या आ रही है। साथ ही कई जातियों द्वारा बताया गया कि उनकी जाति अभी तक अधिसूचित ही नहीं हो पाई है। कमिश्नर चुरेन्द्र ने बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि भू-अभिलेख मिसल में दर्ज जाति के आधार पर लोगों का जाति प्रमाण पत्र बनाया जा रहा था। मुख्यमंत्री ने प्रदेशव्यापी भेंट मुलाकात के दौरान जाति प्रमाण पत्र बनाने के संबंध में सामने आए समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनका जांच करा निराकरण करने के निर्देश दिए है।

एक नजर

आंगनबाड़ी सहायिका एवं मिनी कार्यकर्ता के पद हेतु दावा आपत्ति 20 जुलाई तक आमंत्रित

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

एकीकृत बाल विकास सेवा परियोजना के परियोजना अधिकारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार जशपुर एवं लोदाम के लिए आंगनबाड़ी सहायिका एवं मिनी कार्यकर्ता की नियक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किया गया था। आवेदन उपरांत प्राप्त आवेदनों का मूल्यांकन एवं परीक्षण कर योग्यता एवं पात्रता रखने वाले आवेदकों का वरिष्ठता सूची का प्रकाशन किया गया है। इस संबंध में आवेदकों से दावा आपत्ति 20 जुलाई 2022 तक आमंत्रित किया गया है। आवेदक अपना दावा उक्त तिथि तक कार्यालयीन समय में परियोजना जशपुर में प्रस्तुत कर सकते है।

यू-डाईस प्रविष्टि एवं मॉनिटरिंग के लिए जिला स्तर पर अधिकारी नियुक्त

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

समग्र शिक्षा जिला मिशन समन्वयक से प्राप्त जानकारी के अनुसार भारत सरकार ने स्कूल और उसके संसाधनों से संबंधित कारकों के बारे में स्कूल विवरण एकत्र करने के लिए शिक्षा मंत्रालय के तहत यूनिफाईड डिस्ट्रिक्ट इन्फारमेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस तैयार किया गया है। जिला मिशन समन्वयक ने बताया कि वर्तमान में यू-डाईस प्लस डिजिटल प्लेटफार्म के द्वारा समस्त प्रकार की शालाओं कक्षा नर्सरी से 12वीं तकद्ध का डाटा संकलन किया गया है। शालाओं द्वारा प्रविष्टि की गयी डाटा का विकास खण्ड एवं जिला स्तर पर सत्यापन कर यू-डाईस प्लस पोर्टल में संकलित डाटा का सुधार विकास खण्ड स्तर पर सत्यापन का कार्य विकासखंड स्त्रोत केंद्र समन्वयक द्वारा एवं प्रविष्टि का कार्य एमआईएस कोऑर्डिनेटर द्वारा करायी जा रही है।

उन्होंने बताया कि जशपुर जिले में शासकीय 2252ए अनुदान प्राप्त 124ए मदरसा 20ए प्राइवेट 240ए केन्द्रीय विद्यालय 1ए जवाहर नवोदय विद्यालय 1ए समाज कल्याण विभाग संचालित स्पेशल स्कूल 1ए एकलव्य विद्यालय 5ए डीएण्एण्व्हीण् मुख्यमंत्री स्कूल 3 एवं प्रयास विद्यालय 1 कुल 2648 शाला संचालित है। यू.डाईस प्लस पोर्टल के डाटा के आधार पर ही समग्र शिक्षा का वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट तैयार किया जाता है। इसके अतिरिक्त इस जानकारी का उपयोग अन्य योजनाओं जैसे.गणवेशए पाठ्यपुस्तकए पीजीआई आदि के महत्वपूर्ण योजनाओं में भी किया जाता है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री जेण्केण् प्रसाद ने यू.डाईस प्रविष्टि एवं मॉनिटरिंग के लिए जिला स्तर पर जिन अधिकारी नियुक्त किया है। जिनमें श्री अरूण कुमार चन्द्राए प्रोग्रामर एवं श्री अजय बैसए सहायक प्रोग्रामर है।

कलेक्टर ने कुनकुरी के खड़सा पंचायत में स्टॉप डेम का किया निरीक्षण

किसानों से चर्चा कर फसल बुआई की स्थिति के संबंध में ली जानकारी

जोहार छत्तीसगढ़-जशपुरनगर।

कलेक्टर रितेश कुमार अग्रवाल ने आज कुनकुरी विकासखंड के ग्राम पंचायत खड़सा के सरना झरिया नाले पर बने स्टॉप डेम एवं खेतों में फसल बुआई की स्थिति का निरीक्षण किया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत जितेंद्र यादव, वनमंडलाधिकारी जितेंद्र उपाध्याय, जनपद सीईओ लोकहित भगत सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने स्टॉप डेम का अवलोकन करते हुए नाले में जलभराव की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने स्टॉप डेम की समय समय पर साफ-सफाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने डेम से लगे खेतों के किसानों से फसल बुआई की स्थिति की भी जानकारी लेते हुए उन्हें धान के बदले अन्य फसल लेने एवं जैविक खाद के उपयोग की समझाईश दी। किसान चमून सिंह ने बताया कि डेम से नजदीक उसका 14 एकड़ जमीन है जहां वह खरीफफसल की बोनी की तैयारी कर रहा है। उसके द्वारा वर्तमान में धान की फसल ली जाएगी साथ ही रवि के समय गेहूं सहित अन्य फसल का उत्पादन किया जाएगा। किसान ने बताया कि वह अपने खेतों में रासायनिक खाद के साथ-साथ जैविक खाद का भी उपयोग करता है।

बस्तर फाइटर आरक्षक भर्ती 2021-22 की लिखित परीक्षा का आयोजन

लिखित परीक्षा 17 जुलाई 2022 को पूर्वाह 10 से 12 बजे तक स्वामी आत्मानन्द इंग्लिश मीडियम स्कूल में होंगी संचालित

जोहार छत्तीसगढ़-बीजापुर।

बस्तर फ ाईटर्स आरक्षक भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2021-22 अन्तर्गत शारीरिक दक्षता परीक्षा में योग्य पाये गये अभ्यर्थियों की लिखित परीक्षा 17 जुलाई 2022 को प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश मीडियम स्कूल बीजापुर में ली जाएगा। बस्तर फ ाईटर्स आरक्षक भर्ती प्रक्रिया के तहत 09 मई 2022 से 09 जून 2022 तक अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की छानबीन, शारीरिक मापतौल एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा की कार्यवाही की गई। जिसमे कुल 100 अंकों की शारीरिक दक्षता की कार्यवाही सम्पन्न की गई। उपरोक्त शारीरिक दक्षता परीक्षा प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात 269 पुरूष, 30 महिला, कुल 299 अभ्यर्थियो का नियमानुसार आगामी लिखित परीक्षा हेतु योग्य पाये गये हैं। योग्य अभ्यर्थियो की लिखित परीक्षा 50 अंकों की होगी। 17 जुलाई 2022 को होने वाले लिखित परीक्षा के लिए 12 जुलाई 2022 से 15 जुलाई 2022 तक पुलिस अधीक्षक कार्यालय बीजापुर में शारीरिक दक्षता परीक्षा में योग्य पाये गये अभ्यर्थियों का प्रवेष पत्र वितरित किया जावेगा। अभ्यर्थी कार्यालयीन समय 10 बजे से 5 बजे तक आकर शारीरिक दक्षता परीक्षा के दौरान दिये गये प्रवेश पत्र जमा कर लिखित परीक्षा के लिए प्रवेष पत्र प्राप्त कर सकते हैं । लिखित परीक्षा 17 जुलाई को निर्धारित परीक्षा केन्द्र स्वामी आत्मानंद शासकीय इंग्लिश मीडियम स्कूल बीजापुर में अभ्यर्थियों की प्रात: 08 बजे से बायोमेट्रिक शिनाख्ति पश्चात ही परीक्षा केन्द्रध्कक्ष में प्रवेश दी जावेगी । अभ्यर्थी समयावधि में उपस्थित होना सुनिश्चित करें। लिखित परीक्षा से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश अभ्यर्थियों को जारी प्रवेश .पत्र में उल्लेख की गई है। उल्लेखनीय है, कि 17 को आयोजित की जा रही लिखित परीक्षा में अभ्यर्थी के प्राप्तांको के आधार पर मेरिट सूची अनुसार पुलिस अधीक्षक कार्यालय में माह अगस्त 2022 के प्रथम सप्ताह में 20 अंको का साक्षात्कार लिया जावेगा। बस्तर फाईटर्स आरक्षक पद पर भर्ती की उपरोक्त समस्त प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण किया जाकर 15 अगस्त 2022 के पूर्व अभ्यर्थियों की प्राप्तांकों शारीरिक दक्षता परीक्षा, लिखित परीक्षा, साक्षात्कार एवं बोनस अंक के महायोगद्ध के आधार पर अंतिम चयन सूची जारी करने का लक्ष्य रखा गया है। पुलिस अधीक्षक, जिला बीजापुर द्वारा बताया गया कि जिला बीजापुर अंतर्गत क्षेत्र की शांति सुरक्षा एवं विकास कार्यो सहित स्थानीय वनांचल के युवक-युवतियों को रोजगार का अवसर प्रदाय करने के उद्देश्य से शासन के मंशानुरूप एवं पुलिस मुख्यालय द्वारा दिये गये निर्देशानुसार आयोजित बस्तर फाईटर्स आरक्षक पद की भर्ती प्रकिया में बीजापुर जिला के स्थानीय अभ्यर्थियों युवक-युवतियों द्वारा उत्साह से भाग लिया जा रहा है।

मां महामाया फाउंडेशन ने कराया छात्रों के लिए अहम आयोजन

मोटिवेशनल स्पीकर संदीप श्रीवास्तव ने लिया मोटिवेशनल सेशन

जोहार छत्तीसगढ़-कोरिया।

अम्बिकापुर के माता राजमोहनी देवी भवन में शहर की प्रमुख संस्था मां महामाया फ ाउंडेशन के द्वारा मोटिवेशनल सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के कई नामी स्कूलों के सैकड़ों छात्र-छात्राएं को शामिल होने का मौका मिला। वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व विशेष अतिथि के तौर पर विवेकानंद विघालय के स्वामी तंमयनंद महाराज और शहर महापौर डॉ.अजय तिर्की शामिल हुए, वहीं विवेकानंद व सरस्वती शिशु मंदिर के प्राचार्य भी मौजूद थे,साथ शहर के गणमान्य नागरिक भी शामिल हुए, सेमिनार के दौरान मोटिवेशन स्पीकर संदीप श्रीवास्तव से विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अपने परेशानियों का हल सीखाए जैसा परीक्षा के डर को कैसे खत्म करें, डिप्रेसन कैसे ना होने दे, टाइम मैनेजमेंट, सही फ्रेंड सर्किल का चुनाव कैसे करें साथ ही परीक्षा संबंधी कई विषयों पर होने वाले समस्याओं का छात्रों को समाधान बताया गया। आयोजक माँ महामाया फाउंडेशन के अध्यक्ष ने सोनू केदार ने बताया कि बीते दो सालों से कोरोना महामारी की वज़ह से सभी शिक्षण

संस्थानें बंद थी। ऐसे में बच्चे मोबाइल की तरफज्यादा आकर्षित हो गए हैं। पढ़ाई में रुझान कम देखने को मिल रहा है और बच्चे मोबाइल की दुनिया में खोते जा रहे हैंण् जिसकी वजह से बच्चे डिप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। हमारी संस्था ने छात्रों के मानसिक व शैक्षिक विकाश के लिए आरम्भ सेमिनार का आयोजन करने का फैसला लिया है। माँ महामाया फाउंडेशन द्वारा यह आयोजन बिना किस शुल्क के राज्य के कई जिलों में कराया जाएगा जिससे ज्यादा से ज्यादा छात्रों को लाभ हो सके और छात्र जीवन मे होने वाले कई बड़े परेशानियों का हल फाउंडेशन द्वारा छात्रों को समय रहते दिया जा सके। आपको बता दें कि मोटिवेशन स्पीकर संदीप श्रीवास्तव ने कई राज्यों के विघालयों में छात्रों के लिए कई अहम सेमिनार लिए हैं। ज्ञात हो कि आयोजित मां महामाया फ ाउंडेशन द्वारा आयोजित कार्यक्रम आरंभ में स्पीकर संदीप श्रीवास्तव ने अपना सौंवा सेशन सफलता पूर्वक पूर्ण किया।

आदिवासी बैगा बच्चों का जान खतरे में न पड़ जाए शिक्षा विभाग की लापरवाही के चलते

जोहार छत्तीसगढ़–पंडरिया।

पंडरिया वनांचल क्षेत्र के स्कूल भगवान भरोसे चल रहा है आपको बता दे। वि.ख ड पंडरिया,संकुल केंद्र भाकुर, शा.प्राथ.शाला जखनाडीह में बच्चे लोग हाफ नदी में अपने भोजन किए हुए थाली धोने के लिए गए थे इससे आप अंदाजा लगा सकते है कि कितनी बड़ी जोखिम को बुलावा दे रहे है

जिमेदार शाला कर्मचारी इतने छोटे-छोटे बच्चे है पहली से पांचवीं क्लास के जिनको ये भी पता नहीं होगा कि नंदी में बाढ़ आने पर क्या हो सकता है।

जोहार छत्तीसगढ़ विशेष खबर

नदी में कभी भी बाढ़ दस्तक दे देती है

स्थानी कुछ लोगों से बात करने पर बताया ग्राम पंचायत छिदीडीह का आश्रित ग्राम जकनाडीह छत्तीसगढ़ का लास्ट छोर है। मध्यप्रदेश से लगा हुआ है जिसके चलते कभी भी बारिश होती रहती है जिसके वजह से नंदी में बाढ़ आने की डर बना रहता है पर भी जिम्मेदार कर्मचारिओं को जानकारी होने के बाद भी बच्चे लोगों को नदी में जाने से नहीं रोकते और अनहोनी को बुलावा दे रहे हैं। जो समझ से परे है।

मॉनिटरिंग का अभाव

आपको बता दे ब्लॉक स्तर पर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी,खण्ड स्रोत समन्वयक,संकुल प्रभारी इस प्रकार के अधिकारी न्युक्ति की गई रहती है ताकि स्कूलों के मॉनेटरिंग करते है बच्चों को किसी प्रकार का दिक्कत न हो पर यहां तो कुछ और देखने को मिला बच्चे अपने जान जोखिम में डाल कर अपने खाना खाएं हुए थाली को हाफ नदी में उतर कर साफ करते नजर आए इससे साफ जाहिर होता है यहां मॉनिटरिंग करने नहीं आते अधिकारी कर्मचारी मात्र मुख्यालय में बैठ कर कुर्सी तोड़ने में लगे रहते हैं।

मेंनू के आधार पर नहीं बनते भोजन

शासन द्वारा स्कूलों में बच्चों को गुणवत्ता व पोषण युक्त भोजन प्रदान करने के लिए मध्यान भोजन शुरू की गई है। परंतु उन्हें गुणवत्ता युक्त व मेनू के अनुसार भोजन नहीं मिल पा रहा जखनाडीह स्कूल के बच्चे लोगों को विभागीय अधिकारियों की निष्क्रियता के चलते मीनू के आधार पर खाना तो मिल ही नहीं रहा है। बल्कि जो भोजन परोसा जा रहा है वह भी स्तरहीन है। इसकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। यहीं कारण है कि आदिवासियों बैगा बच्चों को आज भी स्कूलों में अचार पापड़ भी वितरण नहीं किया जा रहा है। वहीं जखनाडीह में पढ़ने वाले बच्चों के पालकों ने बताया कि बच्चों को दी जाने वाली दाल व सब्जी में पानी की मात्रा अधिक रहती है। इस पर अधिकारी कार्रवाई नहीं करते जो समझ से परे है।

एक नजर

कलेक्टर हरिस एस ने छिंदगढ़ विकासखंड में विकास कार्यों का किया अवलोकन

स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में छात्रों से की चर्चा, विभिन्न निर्माण कार्य की प्रगति से हुए अवगत

जोहार छत्तीसगढ़–सुकमा।

कलेक्टर हरिस एस ने विकासखंड छिंदगढ़ में किए जा रहे विकास कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने छिंदगढ़ में स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल, खेल मैदान, वृहद जल प्रदाय योजना सहित अन्य निर्माण कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान सीईओ जनपद पंचायत छिंदगढ़ देवांगन, कार्यपालन अभियंता जिला निर्माण समिति अनिल राठौर एवं संबधित अभियंता एवं अधिकारी गण मौजूद रहे। कलेक्टर ने छिंदगढ़ स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल का जायजा लिया और कक्षा संचालन, शिक्षकों की उपस्थिति एवं छात्रों की दर्ज संख्या की जानकारी ली। उन्होंने संपूर्ण स्कूल भवन का अवलोकन किया, प्रयोगशाला देखी और विद्यार्थियों से चर्चा भी की। इसके पश्चात उन्होंने छिंदगढ़ खेल मैदान सौंदर्यीकरण और इंडोर स्टेडियम निर्माण की भौतिक प्रगति का अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

चिकारास गौठान और वृहद जल प्रदाय योजना का किया अवलोकन

कलेक्टर हरिस एस ने आज छिंदगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चिपुरपाल के चिकारास ग्राम गौठान का अवलोकन किया। उन्होंने यहां संचालित रोजगार मूलक गतिविधियों की जानकारी ली और मुर्गी पालन शेड का अवलोकन किया। उन्होंने कहा की रोजगार मूलक गतिविधियों से ग्रामीण महिला स्व सहायता समूहों को आय सुनिश्चित होती है। इन गतिविधियों के संचालन और क्रियान्वयन में लापरवाही ना करे। इसके साथ ही उन्होंने छिंदगढ़ स्थित वृहद जल प्रदाय योजना का निरीक्षण भी किया। जिसकी बदौलत आगामी समय में छिंदगढ़ में शुद्ध पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी।

बकरीद पर्व शांतिपूर्वक मनाने शांति समिति की बैठक सम्पन्न

कोरबा । कलेक्टर संजीव झा की अध्यक्षता में बकरीद पर्व को आपसी भाई चारे और सौहार्द्रपूर्ण तरीके से मनाने के लिए जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक कलेक्टोरेट सभा कक्ष में सम्पन्न हुई। शांति समिति के सदस्यों ने 10 जुलाई को बकरीद पर्व को मिल जुल कर और सदभाव के साथ मनाने का निश्चय किया। इस पर्व के दौरान मुस्लिम समाज द्वारा मस्जिदों में नमाज अदा की जाएगी।

आज भगवान जगन्नाथ की बहुड़ा यात्रा

शौर्य प्रदर्शन करेंगे आर्ष गुरूकुल के छात्र

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

पिछले नौ दिन अपनी मौसी के घर रहे भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलराम 10 जुलाई को वापस मंदिर के गर्भगृह में लौटेंगे और पांच माह के लिए निद्रा में रहेंगे। भगवान नवंबर में देवउठनी एकादशी को उठेंगें उसी दिन मांगलिक कार्य प्रारंभ होंगे पिछले दो सालों से कोरोनाकाल की वजह से भगवान की वापसी का पर्व बहुड़ा यात्रा धूमधाम से नहीं मनाई जा सकीए इस बार बहुड़ा यात्रा को लेकर करण मंहगी समाज जोर.शोर से तैयारी कर रहा हैं। इस संबंध में पिछले दिनों एक बैठक आयोजित कर इसको रूपरेखा तय की गई जिसमें यात्रा सायं चार बजे भगवान जगन्नाथ,बहन सुभद्रा व भाई बलराम रथ में सवार होकर सुभाष नगर स्थित जगन्नाथ भवन से केएन आयल मार्ग होते हुए, आशोक प्रिंटर्स गली से पुरानी मंड़ी, मेन रोड, स्वामी चौक, नेहरू चौक गांधी चौक, होते हुए श्री राम जानकी मंदिर पहुंचेंगें। छग करण महंती समाज के अध्यक्ष मनोहर महंती ने बताया कि पिछले 12 साल से भगवान की घर वापसी का पर्व बहुड़ा यात्रा निकाली जा रही हैं बहुड़ा यात्रा की अगुवाई आर्ष गुरूकुल के छात्र प्रर्दशन करते हुए करेंगें साथ ही दुर्गा वाहनी के अलावा सर्व समाज के साथ मां तारिणी महिला मंच और महंती युवा मंच शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि पारंपरिक कथानुसार भगवान औषधियुक्त काढ़ा पीकर स्वस्थ होकर भक्तो को दर्शन देने मंदिर से निकलते हैं इसके बाद देर रात अपनी मौसी के यहां पहुंचते हैं। और आठ दिन बाद मौसी के घर रहने के बाद वापस मंदिर लौटते हैं की मंदिर में वापसी होगी।

मिलिशिया डिप्टी कमाण्डर सहित 3 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

नक्सलियों के अमानवीय एवं आधारहीन विचारधारा को त्यागकर छग शासन के पुनर्वास नीति व पूना नम अभियान नई सुबह, नई शुरूवात से प्रभावित होकर किया आत्मसमर्पण

जोहार छत्तीसगढ़–सुकमा।

छत्तीसगढ़ शासन की रपुनर्वास नीति के प्रचार-प्रसार तथा जिले में वरिष्ठ अधिकारी द्वारा चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति के प्रचार-प्रसार तथा अभियान नई सुबह, नई शुरूवात, से प्रभावित होकर नक्सलियों के अमानवीय व आधारहीन विचारधारा एवं उनके शोषण, अत्याचार तथा बाहरी नक्सलियों द्वारा भेदभाव करने तथा स्थानीय आदिवासियों पर होने वाली हिंसा से तंग आकर समाज की मुख्यधारा से जुड़कर सामान्य जीवन जीने के उद्देश्य से 03 नक्सलीं सदस्यों क्रमश 1 कलमू माड़ा मिलिशिया डिप्टी कमाण्डर, नुप्पो बण्डी मिलिशिया सदस्य,कलमू माड़ा मिलिशिया सदस्य सभी का साकिनान फुलबगड़ी थाना क्षेत्र के द्वारा शनिवार को नक्सल ऑपरेशन कार्यालय सुकमा में किरन चव्हाण अति. पुलिस अधीक्षक नक्स ऑप्स सुकमा, आनामी शरण, द्वितीय कमान अधिकारी 2 री वाहिनी सीआरपीएफ के समक्ष बिना हथियार के आत्मसमर्पण किया गया। सभी आत्मसमर्पित नक्सली थाना फुलबगड़ी क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न नक्सली गतिविधियों में सम्मिलित रहे है। नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने हेतु प्रोत्साहित करवाने में 02 री वाहिनी के विशेष सूचना शाखा का विशेष प्रयास रहा है। सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को राज्य शासन के पुनर्वास नीति के तहत् सहायता राशि व अन्य सुविधायें प्रदाय किया जायेगा।

आवश्यकता है

		पद
1. समाचार रिपोर्टर	–	3
2. कम्प्यूटर आपरेटर	–	1
3. ऑफिस कार्य के लिए	–	3

वेतन योग्यतानुसार

इच्छुक युवक/युवति अपना बायोडाटा के साथ संपर्क करें।

दैनिक जोहार छत्तीसगढ़

कार्यालय धरमजयगढ़

मो, 9479177711, 7489419194 ,7879121221

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 अगस्त को

तैयारी हेतु बैठक का हुआ आयोजन

कोरबा । नालसा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं छ0ग0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा दिनांक 13 अगस्त 2022 को नेशनल लोक अदालत के सफलतापूर्वक आयोजन किए जाने के संबंध में जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा डी.एल. कटकवार, की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक कलेक्टर संजीव झा, पुलिस अधीक्षक, आयुक्त नगर पालिक निगम कोरबा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोरबा की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

अनियंत्रित कार ने लगाई लंबी छलांग, बाल-बाल बचे कार सवार

जोहार छत्तीसगढ़–महासमुंद।

बागबाहरा मार्ग में जंघोरा नाला के समीप एक कार अनियंत्रित होकर लम्बी उछाल मारते हुए कोई 20 फिट नीचे एक खेत में जा गिरी। कार में सवार सभी 5 ग्राम जंघोरा निवासी बताया जा रहा है। कार मे सवार सभी पांच लोगों को साधारण चोट बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की दोपहर रथ मेला घूमने जंघोरा से पिथौरा आ रही एक कार जघोरा नाला के समीप ही दुर्घटना ग्रस्त हो गयी। दुर्घटना में सभी घायल हो गए। परन्तु किसी को भी गम्भीर चोट नहीं आई है। सभी घायलों को उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पिथौरा में भर्ती कराया गया है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार सभी घायलों का उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। घायलों में अजंली 25 वर्ष, हेमलता 18 वर्ष, वर्षा 19 वर्ष, ओम प्रकाश 22 वर्ष, तेज बाई, 25 वर्ष सभी जंघोरा गांव के निवासी है। दुर्घटना ग्रस्त स्कार्पियो क्र ब्ळ 06, ठ 9055 विद्युत मंडल के किसी कर्मी की बताई जा रही है।

जुआ, सट्टा,शराब,गुटखा जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ बेमेतरा पुलिस ने चलाया जन जागरण अभियान

जोहार छत्तीसगढ़–बेमेतरा।

पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन एवं अति.पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल,अति पुलिस अधीक्षक रामकुमार बर्मना, एसडीओपी बेरला तेजराम पटेल, एसडीओपी बेमेतरा राजीव शर्मा के मार्गदर्शन में जिले में थाना, चौकी प्रभारियों के द्वारा नशा मुक्ति एवं सायबर जागरूकता अभियान चलाकर आमजनों को जागरूक किया जा रहा है इस अभियान तहत 08 जुलाई 2022 को थाना बेरला स्टाफ प्रधान आरक्षक संदीप साहू, महिला आरक्षक मालती साहू एवं अन्य स्टाफ के द्वारा ग्राम पंचायत देवरी में छात्र/छात्राओं, सरपंच,पंच, मितानिन, गांव के ग्रामीणों और स्कुल के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ मिलकर ग्राम पंचायत देवरी में नशाबंदी एवं सायबर जागरूकता रैली निकाली गई। पुलिस द्वारा नशा मुक्ति व नशा से आजादी एवं सायबर जागरूकता के लिए थाना बेरला क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत देवरी में आमजनों को जागरूक करने के उद्देश्य से रैली निकाल कार नशा बंदी एवं सायबर जागरूकता का संदेश दिया गया। आमजनो को बताया कि बीड़ी,सिगरेट,शराब,गांजा जैसे नशा शारीरिक समस्याओं के साथ ही आर्थिक और सामाजिक स्तर पर भी नुकसान का कारण बनता है। लोगो को नशा नहीं करने का संकल्प व इसके दुष्प्रभाव के बारे में भी बताया गया। नशे से ग्रसित व्यक्ति तनाव में रहता है और उसे मानसिक परेशानियां घेर लेती है। इसके अलावा उसे स्वास्थ्य परेशानियां भी होती है और नशे में अपराध की ओर अग्रसर हो जाता है। क्योकि ऐसे ही व्यक्ति अपराधों को बढावा देता है। इसलिए हमें नशे से दुर रहना चाहिए। गुड़ाखु, तंबाकु, गुटका के लगातार सेवन से मुह धीरे-धीरे कम खुलने लगता है जो कि कैंसर का कारण बनता है किसी भी प्रकार का नशा को छोड़ने के लिए व्यक्ति को दृढ संकल्पित होने की आवश्यकता है। इसके लिए युवाओं को आगे आकर समाज में जागरूकता लाने की आवश्यकता है ताकि समाज में सामाजिक मधुरता बना रहे। साथ ही साथ प्रतिभावान छात्र/छात्राओं को सम्मानित किया गया तथा प्रतिभावान छात्र/छात्राओं द्वारा पौधारोपण किया गया। एसपी बेमेतरा धर्मेंद्र सिंह ने नशा मुक्त समाज बनाने के लिए आमजनों को अपने परिवार एवं बच्चों को नशा से दूर रखने व साइबर अपराध से बचने अपील की हैं। इस अवसर पर थाना बेरला से प्रधान आरक्षक संदीप साहू, महिला आरक्षक मालती साहू, आरक्षक विजय दिवाकर,बिरेंद्र व सरपंच भारती साहू, उपसरपंच पेखन साहू, मितानिन दीदी रत्ना साहू, ललिता साहू, उतरा साहू, दयाबती साहू, रविन्द्र साहू, विमल साहू, दिक्षांत साहू, गयाराम साहू, टेकराम साहू, मनीष साहू, मुकेश साहू, शाला के शिक्षक, शिक्षकाएं लीलाधर पाटिल, ओमप्रकाश साहू, त्रिलोकदास मानिकपुरी, रीना साहू, शीतल राजन एवं छात्र/छात्राएं व ग्रामीजन शामिल थे।

खण्डसरा पुलिस की कार्यवाही पत्नि की हत्या करने वाला आरोपी पति गिरफ्तार

जोहार छत्तीसगढ़–बेमेतरा।

प्रार्थी आरोपी, सुशील साहू उम्र 28 साल साकिन सेमरिया चौकी खण्डसरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि दो माह पूर्व खाने कमाने आरोपी सुशील साहू अपनी पत्नि रानी साहू के साथ लखनऊ गया था। लखनऊ में अपनी पत्नि को किसी पुरूष के साथ गलत कार्य करते हुये दिन में देख लिया था। जिसके कारण आपस में झगडा हुये थे जिसे घर वालों के समझाने पर एक साथ रह रहे थे। 05 जुलाई 2022 को लखनऊ से ट्रेन बैठकर दुर्ग आये दुर्ग से 06 जुलाई 2022 को बेमेतरा शाम को पहुंचने के बाद थाना सिटी कोतवाली में तलाक संबंधी रिपोर्ट कराया वकिल से राय लेने के बाद 07 जुलाई 2022 के करीबन 1 बजे घर सेमरिया पहुचा पत्नि रानी के दुसरे पुरूष के साथ संबंध बनाने की बात को लेकर पति.पत्नि में झागडा विवाद हुये। पत्नि द्वारा पति सुशील को कहा गया कि तुम मेरे से तलाक ले रहे हो वह इसी घर में तेरे सामने दस पुरूषों को बुलाकर गलत संबंध बनाउंगी। इसी बात पर से आरोपी सुशील साहू नाराज होकर अपनी पत्नि रानी साहू का गला दबाकर हत्या कर दिया। हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिये रानी साहू के शव को घसीटकर अपने कमरे में ले जाकर रानी के गले में साडी से फंदा डालकर शव को सिलिंग पंखा में लटका दिया।आरोपी सुशील साहू द्वारा पुलिस चौकी खण्डसरा आकर रिर्पोट दर्ज कराया कि वह अपनी पत्नि रानी साहू का गला दबाकर हत्या कर दिया हू। शव को फंसी में लटका कर आया हूं कि रिर्पोट पर अपराध सदर धारा 302, 201 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक बेमेतरा धर्मेन्द्र सिंह ने आरोपी के विरूद्ध तत्काल कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिये। जिसके तहत अति. पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल एवं एसडीओपी बेमेतरा राजीव शर्मा के मार्गदर्शन में चौकी खण्डसरा प्रभारी डीएन सिंह एवं चौकी स्टाफ को अपराध विवेचना हेतु लगाया गया।

प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी सुशील साहू पिता मनीराम साहू उम्र 28 साल साकिन सेमरिया चौकी खण्डसरा थाना व जिला बेमेतरा को 08 जुलाई 2022 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया। उक्त कार्यवाही में चौकी खण्डसरा प्रभारी डीएन्, सिंह, सउनि बीडी गंधर्व, प्रधान आरक्षक सुरेन्द्र तिवारी, आरक्षक राजेन्द्र जायसवाल, एश्वर्य कुमार सिन्हा, देवेन्द्र टंडन, रोहित ध्रुव, आशीष सेन एवं अन्य स्टाफ की सराहनीय भुमिका रही।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक नारायण बाईन, द्वारा आसमा पब्लिसर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड,जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित कर मेडरमार कालोनी, जिला-रायगढ़ (छत्तीसगढ़) से प्रकाशित।
संपादक –**नारायण बाईन,** फोन –फैक्स 07766299001, मो, 9479177711, 7489419194 Email-joharchhattisgarh@gmail.com, joharchhattisgarh@yahoo.co.in